दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित **'B++'** श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 13.09.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 13.09.2023 गोरखपुर। महाविद्यालय, के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनय कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग स्वामी देवानंद पी.जी. कालेज, मठलार, देवरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है। शिक्षा व्यक्ति को स्व–जागरूक बनाती है जिससे वह अपनी सक्षमता एवं दुर्बलता को पहचानने में सक्षम होता है जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनेक प्रावधान किए गए हैं जिसमें सी.बी.सी.एस सिस्टम प्रमुख है। यह प्रणाली विद्यार्थियों को उनकी रूचि एवं योग्यता के आधार पर विषय चयन का अवसर उपलब्ध कराती है। विद्यार्थी को इस महाविद्यालय में एक शैक्षिक परिवेश मिला है जिसका उन्हें सदुपयोग करना चाहिए महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं समय–समय पर आयोजित होती रहती हैं जिसके द्वारा यहां के विद्यार्थी अपना सतत रूप से विकास कर सकते हैं। प्राचार्य जी द्वारा विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम, क्रेडिट सिस्टम, ओपन इलेक्टिव सब्जेक्ट तथा मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत असाइनमेंट, प्रोजेक्ट आदि के विषय में विस्तार पूर्वक बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विभाग के तृतीय सेमेस्टर की अपूर्वा दुबे, सौम्या सिंह तथा अतुल शर्मा ने अपने विगत वर्ष के अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक श्री श्याम सिंह, डॉ. अखंड प्रताप सिंह, डॉ. रुक्मिणी चौधरी, डॉ. जागृति विश्वकर्मा आदि के साथ साथ शिक्षा शास्त्र विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क